फैक्ट्रियों को निर्बाध बिजली के लिए 30 करोड़ से बनी वैकल्पिक लाइन

राहत

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में बिजली फाल्ट को लेकर उद्यमियों द्वारा की जा रही शिकायतों का संज्ञान लेते हुए बिजली निगम ने सार्थक पहल की है। अब बरहुआ से फाल्ट होने पर बिजली निगम ने खजनी से 33 हजार केवीए की वैकल्पिक लाइन मुहैया करा दी है। इसके साथ ही सेक्टर 15 में फाल्ट की दशा में सेक्टर 13 से वैकल्पिक आपूर्ति होगी। अंडरग्राउंड केबल बिछाए जाने से भी फाल्ट कम होगा। करीब 30 करोड़ खर्च कर हुए इस सुधार से गीडा में 800 फैक्ट्रियों की मशीनें ज्यादा देर के लिए ठप नहीं होंगी।

33 हजार केवीए की एक वैकल्पिक लाइन बनाई खजनी से

08 सौ फैक्ट्रियों को मिलेगा लाभ, अंडरग्राउंड केबल बिछाया गया

- बरहुआ से फाल्ट पर कुछ मिनटों में खजनी से होगी बिजली आपूर्ति
- सेक्टर 15 में फाल्ट पर सेक्टर 13 से दी जाएगी वैकल्पिक आपूर्ति

बरहुआ से फाल्ट की स्थिति में खजनी से 33 केवीए की वैकल्पिक लाइन की व्यवस्था की गई है। इसके साथ सेक्टर 15 और 13 की आपूर्ति को लेकर वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है। गीडा की फैक्ट्रियों को अब निर्बाध बिजली मिलेगी।

-आशुतोष श्रीवास्तव, मुख्य अभियंता, बिजली निगम

बरहुआ सब स्टेशन से फाल्ट होने पर इसे बनाने में घंटों लगता था। जिससे फैक्ट्रियों में उत्पादन प्रभावित होता था। पिछले दिनों करीब 12 घंटे तक आपूर्ति प्रभावित होने के बाद मामला लखनऊ तक पहुंच गया था। जिसके बाद तत्कालीन एक्सईएन को हटा भी दिया गया। बिजली निगम अब बिजली आपूर्ति को लेकर स्थाई समाधान करने की कोशिश में जुट गया है। बरहुआ में फाल्ट होने की स्थिति में बिजली निगम ने वैकल्पिक व्यवस्था कर दी है। अब बरहुआ में फाल्ट या आपूर्ति ठप होने पर खजनी से 33 केवीए की वैकल्पिक लाइन तैयार कर दी है। विभाग का दावा है कि आपूर्ति बाधित होने के 15 से 30 मिनट में वैकल्पिक व्यवस्था से आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। इसी तरह सेक्टर 15 में आपूर्ति बाधित होने से सेक्टर 13 से वैकल्पिक लाइन की व्यवस्था की गई है। बिजली निगम ने करीब 12 करोड़ रुपये खर्च कर तार बदलने के साथ अंडरग्राउंड केबल की व्यवस्था कर दी है।

उद्यमी प्रवीण मोदी का कहना है कि अभी तक गीडा में बिजली निगम के एक्सईएन नहीं बैठते थे। जिससे उद्यमियों को किसी काम के लिए मोहद्दीपुर जाना होता था। अब एक्सईएन से लेकर जेई गीडा सब स्टेशन पर उपलब्ध होंगे, इससे बड़ी सहूलियत होगी। चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आरएन सिंह का कहना है कि चैंबर की तरफ से पिछले काफी दिनों से वैकल्पिक लाइन के साथ गीडा में एक्सईएन के बैठने की व्यवस्था की मांग की जा रही थी। नई व्यवस्था से गीडा की 800 से अधिक फैक्ट्रियों को निर्बाध बिजली मिलेगी। प्लास्टिक, सरिया से लेकर कई फैक्ट्रियों के लिए बिजली कच्चा माल की तरह है।